IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

बुनियादी शिक्षा के विशेष सन्दर्भ में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

[1]SUNAYANA DADHICH, [2]DR SANGEETA MATHUR

[1]RESEARCHER, [2]ASSOCIATE PROFESSOR

[1]CPU KOTA,

[2]CPU KOTA

शोध सार– यह शोध पत्र बुनियादी शिक्षा और नई शिक्षा नीति 2020 के लिए संदर्भित है। जो मुख्यतः दोनों का समेकित अध्ययन करता हैं महात्मा गांधी ने आज से 100 वर्ष पूर्व बुनियादी शिक्षा द्वारा आत्मनिर्भर भारत का सपना देखा था। शिक्षा में गांधी जी ने सबसे पहले व्यक्तिगत चरित्र के गठन पर जोर दिया। शिक्षा की जड़ लोगों की संस्कृति और जीवन में होती है। नई शिक्षा नीति उद्देश्य बिना किसी भेदभाव के प्रत्येक व्यक्ति को बढ़ने और विकसित होने के लिए समान अवसर प्रदान करना है तथा विद्याथियों में ज्ञान व कौशल का सृजन करना है। इस शोधपत्र में शोधकर्त्ता द्वितीयक आंकड़ो के माध्यम से जो गुणात्मक स्तरों पर आधारित है बुनियादी शिक्षा और नई शिक्षा नीति 2020 का समेकित अध्ययन करना चाहता है। जो शिक्षा के उद्देश्यों व लक्ष्य को प्राप्त करने में सहयोगी है।

मूल शब्द– बुनियादी शिक्षा, गांधी दर्शन, NEP 2020 शिक्षार्थी ज्ञान शिक्षा, स्बावलम्बी, जीवन कौशल।

प्रस्तावना– राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी 2020) जिसे जुलाई 2020 को भारत के केन्द्रिय मंत्रीमण्डल दृवारा अनुमोदित किया गया था। भारत में राष्ट्रीय आवश्यकता के अनुरूप समय–समय पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति का निर्धारण होता रहा है। नई शिक्षा नीति 2020 21वीं सदी की पहली शिक्षा नीति है। वर्ष 1968 और 1986 के बाद यह भारत की तीसरी शिक्षा नीति है। नई शिक्षा नीति 2020 में शिक्षा की पंहूच, क्षमता, गुणवत्ता, वहनता और उत्तरदायित्व पर विशेष बल दिया गया है। इसमें गुणवत्ता पुर्ण व समावेशी शिक्षा का विचार बुनियादी शिक्षा से लिया गया है। बुनियादी शिक्षा का विचार 22–23 अक्टुबर 1937 को महात्मा गांधी दृवारा वर्धा शिक्षा परिषद में देश व दुनिया के सम्मुख रखा गया था। यह विचार अनायास ही गांधी जी के दृवारा प्रकट नहीं हुआ था। 1896 से स्वयं के बच्चों की शिक्षा व उनके शैक्षणिक प्रयोगों का प्रारम्भ हुआ। बाद में फीनिक्स, टॉलस्टॉय आश्रम, चम्पारण आदोलन कोचरब आश्रम, साबरमति में विधिवत विद्यालय चलाये गये अर्थात् 40 वर्षो के सतत् शैक्षणिक प्रयोगों से प्राप्त अनुभवों तथा देश की जरूरतों व परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुये 1937 में बुनियादी शिक्षा (नई तालीम) के प्रस्ताव को स्वीकार किया गया।

अध्ययन का उद्देश्य– इस शोध पत्र का मुख्य उद्देश्य शिक्षा व राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की विशेषताओं पर समेकित प्रकाश डालना है। इसके अन्य मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित है–

1. बुनियादी शिक्षा के उद्देश्यों को समझना।
2. नई शिक्षा नीति 2020 को प्रस्तुत करना।
3. नई शिक्षा नीति के नवाचारों को जानना।
4. बुनियादी शिक्षा को नई शिक्षा नीति 2020 के सन्दर्भ में समझना।

अनुसंधान क्रियाविधि– इस शोध पत्र में मूल्यांकनात्मक वर्णनात्मक, विश्लेषणात्क, व्याख्यात्मक विधियों का प्रयोग करते हुए प्राथमिक और माध्यमिक स्त्रोतों के माध्यम से बुनियादी शिक्षा के विशेष संदर्भ के साथ एक महत्वपूर्ण उपयोगी दृष्टिकोण के रूप मे नई शिक्षा नीति 2020 के अध्ययन पर ध्यान केन्द्रित किया गया है।

अध्ययन का महत्व– यह शोध महात्मा गांधी की बुनियादी शिक्षा के सिद्धांतों व नई शिक्षा नीति 2020 के नवीन आयामों में प्रासंगिक समायोजन करने का प्रयास हैं।यह शोध पत्र शिक्षा संदर्भ सामग्री के रूप में आगे के अध्ययन के लिए गुंजाइंश प्रदान करेगा।

बुनियादी शिक्षा और प्रमुख उद्देश्य – वर्धा शिक्षा योजना एक ऐसा शैक्षिक सुधार था, जो भारतीय शिक्षा के इतिहास में सर्वाधिक लोकप्रिय सुधारों में से एक है। महात्मा गांधी द्वारा शिक्षा सम्बन्धी विचारों को नयी तालीम के जरिए अभिव्यक्त किया जाता है। औपनिवेशिक शिक्षा पद्धति भारतीय आकांक्षाओं और समाज से बिल्कुल कटी हुयी थी। गांधी जी ने ब्रिटिश शिक्षा को मानसिक गुलामी के औजार के रूप में देखा। 1937 में नयी तालीम का उद्भव अनायास घटना नहीं थी। यह गांधी जी के सतत् चिंतन व स्वंय के अनुभव का परिणाम थी। महात्मा गांधी के अनुसार शिक्षा अंहिसामूलक, शोषणरहित एंव स्वंतत्रतामूलक समाज की प्राप्ती का साधन हैं । बुनियादी शिक्षा पद्धति के प्रमुख उद्देश्य निम्न थे–

- विद्यार्थी को शिक्षा–प्राप्ति पश्चात् जीविकापार्जन योग्य बनाना।
- बालक के शारीरिक, मानिसक एवं आध्यात्मिक गुणों के सामंजस्य से उसके पूर्ण व्यक्तिव का विकास।
- विद्यार्थी को शिक्षा द्वारा अपने व्यवहार में अपनी संस्कृति से जुड़ने की क्षमता का विकास।
- निशुल्क, अनिवार्य मातृभाषा पर आधारित शिक्षा।
- जीवन से सम्बन्धित हस्तकौशल की शिक्षा।

नई शिक्षा निति के उद्देश्य (2020)

स्वतंत्र भारत की तृतीय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में निम्न उद्देश्यों को निर्धारित किया गया–

1. शिक्षा की समावेशी पहुॅच व समानता।
2. ज्ञान, विज्ञान व तकनीकि कौशलों मे दक्ष करना।
3. भाषाई बाध्यताओं को दूर कर, मातृभाषा को बढ़ावा।
4. रचनात्मकता, सोच, तार्किक निर्णय और नवाचारों को प्रोत्साहन।
5. स्कुली शिक्षा मे परिवर्तन 10+ 2 के शैक्षिक स्वरूप के स्थान पर 5++3+3+4 की शैक्षिक संरचना को स्वीकृति।
6. प्रारम्भिक कक्षाओं में बुनियादी सीखने पर जोर।
7. छात्रों में मानसिक तनाव कम करने के लिए परिक्षा पेटर्न में बदलाव।
8. उच्च शिक्षा के क्रियान्वयन व संगठनात्मक ढॉचे में परिवर्तन।

बुनियादी शिक्षा व नई शिक्षा नीति में महत्वपूण्र बिंदुओं पर समरूपकता–

महात्मा गांधी ने आज से 100 साल पहले ही नई शिक्षा नीति के सिद्धातों और प्रणाली का सपना देखा था। नई शिक्षा नीति 2020 शिक्षा पर गांधी जी के शैक्षिक विचारों व चिंतन का स्मरण कराती है–

- भारत की नई शिक्षा नीति 2020 का लक्ष्य जीवन कौशल, रचनात्मकता, नैतिकता संवैधानिक मूल्यों की समझ, बहुभाषावाद और समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने के सिद्धातों को लागू करना है। यह सिद्धांत महात्मा गांधी के शिक्षा द्वारा बालक के संर्वागिण विकास (बौद्धिक,मानसिक,शारीरिक) के विंचार से प्रभावित है। गांधी जी के अनुसार शिक्षा व्यक्ति के आंतरिक संकायों को बाहर निकाल सम्पूर्ण व्यक्तिव का विकास करती हैं।
- मातृभाषा पर नई शिक्षा नीति का ध्यान भाषा समस्या के गांधी जी के समाधान की याद दिलाता है। नई शिक्षा नीति के अन्तर्गत त्रिभाषा फार्मूला और प्राथमिक कक्षाओं में मातृभाषा में अध्ययन बहस का बडा कारण था। यह वास्तव में गांधी दर्शन और भाषा समस्या समाधान की प्रत्यक्ष व्याख्या थी। महात्मा गांधी का मानना था कि एक छात्र को पहले उसकी मातृभाषा में पढाया जाना चाहिए और जब उसमे रूचि और बृद्धिमत्ता का विकास होगा अन्य भाषाएॅ स्वतः सीख सकता है।
- गांधी जी का व्यावसायिक शिक्षा का मंत्र था कि शिक्षा केवल निश्चित आंकड़ों को रटाने वाली व निरस, निष्क्रिय न हो। छात्र स्कूल व कॉलेज में हस्त–कौशल का प्रयोग करना सीख भावी जीवन में स्बावलम्बी बने। नई शिक्षा नीति उच्च शिक्षा में नवाचारों व तकनीति कौशल दृवारा बालकों को रोजगारोत्मुखी बनाने पर बल देती है।
- महात्मा गांधी रूचि के साथ स्वतंत्र रूप से सीखने का समर्थन करते थे। नई शिक्षा नीति बालको को तनाव रहित शिक्षा देने का समर्थन करती है। जिसके लिए पाढ्यक्रम व परीक्षा प्रणाली में परिवर्तन किया जा रहा है।

उपसंहार–अतं में सम्पूर्ण प्रपत्र का अध्ययन करने के पश्चात् यह कहा जा सकता है कि बुनियादी शिक्षा व नई शिक्षा नीति दोनों शिक्षा प्रणाली द्वारा बालक–बालिकाओं के व्यक्तिगत चारित्रिक विकास के साथ संर्वागीण विकास का लक्ष्य रखते है। दोनों शिक्षा के द्वारा बालकों को आत्मनिर्भर स्वावलम्बी बनाने पर बल देते है। वर्ष 2024–25 से नई शिक्षा नीति 2020 को सम्पूर्ण भारत मे लागू करने व वर्ष 2040 तक समग्र समावेशी शिक्षा द्वारा सभी बालक बालिकओं को शिक्षा से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अगर नई शिक्षा नीति 2020 को सही तरीके से लागू किया जाए तो यह भारतीय शिक्षा को नई उचॉईयों पर ले जा सकती है इन्ही उंचाईयों पर राष्टपिता महात्मा गांधी का बुनियादी शिक्षा दर्शन स्थित है जिसे हम सम्भवतः प्राप्त कर सकेगें।

सन्दर्भ सूची–

1. मिश्र,शि. (2006) समग्र नयी तालीम, वर्धा,नयी तालीम समिति, आश्रम सेवा ग्राम।
2. पाठक, पी0डी0 (2008) भारतीय शिक्षा और उसकी समस्याऍ, आगरा विनोद पुस्तक मंदिर।
3. डॉ0 शिवदत्त (2012) बुनियादी शिक्षा की अवधारणा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. जोशी, शम्भू, मिथिलेश (2020) गांधी दृष्टि के विविध आयाम, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. राष्ट्रीय शिक्षा नीति (2020), मानव संसाधन विकास मत्रांलय,भारत सरकार,नई दिल्ली।